26.12.24 पत्रावली पेश हुई। यथासमय समय में अधिवक्ता वादी एवं वादीगण के नाम से तीन बार अलग-अलग समय पर आवाज दिलाई गई। कोई उप० नहीं। इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि अधिवक्ता वादी एवं वादीगण अपने वाद को लेकर गंभीर नहीं है।

लिहाजा वादी का वाद 'अदम पैरवी' व 'अदम हाजिरी' में खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो व नंबर से कम हो।

[signature] 26.12.24
सहायक कलेक्टर
(SDO), बाड़मेर

Signature Not Verified

Digitally signed by Veerma Ram
Date: 2025.01.30 10:01:56 IST
Reason: SelfAttested